"देश में गैंडों की संख्या में कमी"

209. **श्री ईश दत्त यादव:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में गैंडों की संख्या कम होती जा रही है;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछले तीन वर्षों में गैंडों की वर्षवार संख्या क्या थी; और

(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान गैंड़ों का शिकार करने के संबंध में कितने शिकार चोरों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) से (ग) गैंडों की अनुमानित संख्या के बारे में राज्य सरकारों से प्राप्त रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि असम में गैंडों की संख्या में मामूली कमी आई है।

गैंडों की गणना प्रतिवर्ष नहीं की जाती है। 1989, 1991, 1992 और 1993 में विभिन्न क्षेत्रों में की गई गणना के अनुसार गैंडों की अनुमानित संख्या निम्न प्रकार है:

	1989	1991	1992	1993	अभ्युक्ति
असम					
काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	1250	1129	*	1164	संख्या में कमी
मानस राष्ट्रीय उद्यान	85	*	*	+80	—वही—
पवित्रा वन्यजीव अभयारण्य	45	*	*	56	—वही—
ओरंग	100	97	*	*	—वही—
लाओखोआ	03	*	*	*	
अन्य क्षेत्र	40	*	*	*	
	1543				
पश्चिम बंगाल					
जलदापाडा	27	*	33	*	कोई कमी नहीं
गोरुमारा	12	*	11	*	—वही—
	39		44		
उत्तर प्रदेश					
दुधवा	09	*	11	*	कोई कमी नहीं

(* गणना नहीं की गई)

(+ स्थानीय अनुमानित रिपोर्टों के अनुसार)

(घ) गत तीन वर्षों के दौरान मुठभेड़ में मारे गए तथा राज्य सरकार द्वारा गिरफ्तार अवैध शिकारियों के ब्यौरे निम्नलिखित हैं:

	1991	1992	1993 (अगस्त, 93 तक)
1 2	3	4	5
असम			
1. मुठभेड़ में मारे गए अवैध शिकारियों की सं०	4	7	6
2. गिरफ्तार अवैध शिकारियों की संख्या	25	52	60
पश्चिम बंगाल			
1. मुठभेड़ में मारे गए अवैध शिकारियों की सं०	—	—	—
2. गिरफ्तार शिकारियों की संख्या	—	4	10
उत्तर प्रदेश	—	—	—